

DPN 6433

Title : श्रावणी कर्म कलशाचर्चन, फल पिण्ड विधि
ŚRAVAṆĪ KARMMA KALASARCCANA, PHALA PINDA VIDHI

Run. No. 7158

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / नेपालभाषा; आध्यात्मिक लिपि (१) /
Newa direction

Size in cms. 20 x 8.5

Folios 40 Lines (in a page) 18

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya^ssaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ कुम्भे नमः ॥ अथ श्रावणी कर्म लिख्यते ॥ ॥ ॐ ह्रीं ॥ अस्तु श्रावणी कर्म संपूर्ण

साहित्य कलशार्चनं कर्तुं हि सूर्यायां ठाद्यं नमः ॥

सुभाषितं वाक्यं । Colophon

श्रीश्रीश्री कर्म कलशार्चन, फल पिण्ड
विधिस्तथा ॥ ॥



यामिनेवमिच्छादेधुगदाससमिमिलित्तिसामेसिने

सुगरे सुगवारविन्देनिधीयसा रदोभोनथासनेवलोकेधुमा नृसमव॥१॥

कलायमा

ॐ वक्रा (नमः) ॥ अथ आवली
 कर्मलिखनं ॥ ॥ ॐ अथाः
 दि ॥ अस्मैकावली कर्मसफरि
 माहित्यकलमार्जनकर्तुं धीः
 सूर्यायार्धनमः ॥ ॐ आ कृष्ण ॥
 पृथराजनस्यर्जनं ॥ ॥
 ॐ सिद्धिस्तु क्रियानमस्तु ॥
 ॐ गुप्तेनमस्तु नैकत्वा न्यासा
 र्धपाठपूजात्मजा ॥ ॥
 गंगादागार्जनं ॥ ॐ गत्वायामि ॥
 ॐ दवस्यत्वासविशुध्यसर्व ॥
 ॐ त्वमग्रशिरःकमासुसु ॥
 ॐ आपा अस्मा भूमागनः ॥
 ॐ यस्य कूर्मा गृहवित्त्वम ॥
 ॐ यदस्तु न्यपथमजायमा ॥
 ॐ यद्माननं यद्मनुष्यमा ॥
 ॐ स्थानापृथिभारुवाचक ॥
 ॐ यनं पक्षासविनः पूषा ॥

ॐ अमिद्वेनित्यरुनिरिक्ता ॥
 ॐ दानादवीनप्यस्य विधेय ॥
 ॐ यज्जगत्तमनउत यज्जगत् ॥
 ॐ ॐ दं विष्णु विचक्रम ॥ ॥
 ॐ अग्निमीतु पूना हिमं यक्ष ॥
 ॐ ॐ वत्सा ऊत्वा वायवस्तु ॥
 ॐ अम अया हिरीगयगृ ॥
 ॐ ननादवीनरिस्तुथ अ ॥
 ॐ उयक्षन गिनी ॥ ० सप्त ॥
 ॐ नदीत्यः ॥ यो जिह्वं मृषिका ॥
 ॐ गन्धर्वात्वा गन्धर्वा ॥ ० रु ॥
 ॐ वरुह्यत अग्नि अग अग्नि ॥
 ॐ पावकानः सनस्वगी वा ॥
 ॐ श्रीधनलक्ष्मीधनत्वा ॥
 ॐ अस्मा कमिद्वसमिनेषु ॥
 ॐ नभा रूपाय धाधिनी नाना ॥
 ॐ सफयुजनि नथमवक्र ॥
 ॐ असौ यस्तुमा अमृता उत ॥

ॐ निसुर्मंगलदा नार्जनविष्णो ॥



नगः कलमार्जन ॥ ॥

ॐ आजिघ कलम ॥ ॥ ॥

ॐ ॐ मम गजयमूनसनस्व

निसुदुष्कामसधगाः यनूः

आजिघमनूधुधनसुया

जीकीयनूधुधनसुया ॥

ॐ सितासितसत्रितयजसंगम

नगपुनासादिवमृत्यनक्तिथ

येनत्वेविसृजकिधीनासुवेज

नासासुमृगत्वरुजम् ॥ ॥

ॐ यधनयसनस्वतिमपिथीति

सप्रागसः सनस्वती दुयं च ॥

सादलरुवगुसत्रित ॥ ॥

ॐ वनूधुधनमसिधनूधु

स्यत्कुरुं निष्ठावनूधुधनमृ

नसदनमसिधनूधुधनमृ

नमसिधनूधुधनमृगसनमा

सीद ॥ ॐ वनूधुधनमृगसनमा ॥

ॐ ॐ दं विष्णु विष्णु कर्म ॥

ॐ नमः गजययचमया ॥

ॐ शुभकर्मजामह ॥ ॥

ॐ श्रीधन ॥ ॐ निसुर्मंगलदा नार्जनविष्णो ॥



नगः सफरिषुजन ॥ ॥

ॐ वनूधुधनमृगसनमा ॥

निवधनयावृथिवीअनरुसा

पूषानयाउदनिगावृगाचकमा

किनाअयगः सः ॐ दसः ॥ ॥

ॐ वनूधुधनमृगसनमा ॥ ॐ यस्यक

र्मा ॥ ॐ यलपविगमर्जि ॥ ॥

ॐ अयः सः सः सः सः सः सः

निसुदुष्कामसधगाः यनूः

आजिघमनूधुधनसुया

जीकीयनूधुधनसुया ॥

ॐ सितासितसत्रितयजसंगम

हिमासलिलसफमृषानिस
 दनपमादसकापसफलाक
 मीयसुगयाप्रभाअसुप्रओ
 सुगसदोचदवी॥ॐॐदविष्णु॥
 ॐ नमः॥ मृवायचमया॥
 ॐ निसफरिपूजाविधि॥
 ॐ नानवग्रहाञ्जनं॥ ॥
 ॐ आकृष्ट॥ ॐ ॐ मन्दवा॥
 ॐ अग्निमूर्धा॥ ॐ उद्धृष्टा॥
 ॐ वृहस्पति॥ ॐ अन्नान्यनि॥
 ॐ गन्नादवी॥ ॐ कयानधिग॥
 ॐ कर्तृकृष्णन॥ ॐ नाअस्य॥
 ॐ निनवग्रहाञ्जनं॥ ॥
 ॐ नानादिदगलाकपाला
 ञ्जनं॥ ॐ गगामिलममृ॥
 ॐ अग्निमूर्धा॥ ॐ यमनदरु॥

ॐ यन्मदवी॥ ॐ ॐ ममवद॥
 ॐ गववायुव॥ ॐ कूविदगज॥
 ॐ गमीनान॥ ॐ गीनियदा॥
 ॐ वक्रयज्ञानपथमपूजका॥
 ॐ निलाकपालाञ्जनं॥ ॥
 ॐ नानाचित्रजिविपूजनं॥
 ॐ वाक्पलास॥ ॐ महिद्यो॥
 ॐ यस्याकृष्ण॥ ॐ नीवाधायी॥
 ॐ नकसारगमि॥ ॐ अय॥
 ॐ यजापनन॥ ॐ सफमृष॥
 ॐ विस्त्रिजिविपूजनं॥
 ॐ नानाचित्रजिविपूजनं॥ ॥
 ॐ सधाजाग॥ ॐ वाममद्य॥
 ॐ यामनूदगिवा॥ ॐ यस्याकृष्ण॥
 ॐ गमीनानजगगलसुख॥
 ॐ निपचवक्रपूजा॥ ॥

[illegible]

स्य उथादनीया वापुं धाद
 द्विर्लयां विष्णुषान्दवानी
 मूलर्न ॥ ॐ न कर्णस्य ४ स्वाहा
 न कर्णस्य ४ स्वाहा अर्णनां
 स्य ४ स्वाहा ३ द्विमासस्य ४ स्वाहा
 मासस्य स्वाहा मृगस्य ४ स्वाहा
 मृगवस्य ४ स्वाहा सप्तसनाय
 स्वाहा यावापृथिवीत्या ४ स्वा
 हा चन्द्राय स्वाहा सूर्याय स्वा
 नमिस्य ४ स्वाहा वसुस्य ४ स्वा
 हा नूदस्य ४ स्वाहा दित्यस्य ४
 स्वाहा मनूह्य ४ स्वाहा विष्णवे
 स्यादवस्य ४ स्वाहा मूलस्य ४ स्वा
 हा न्मस्वाय ४ स्वाहा वनस्य ति
 स्य ४ स्वाहा पूषस्य ४ स्वाहा रु
 लस्य ४ स्वाहा ओषधीस्य ४ स्वाहा
 ॐ आग आग नवर्न वा ऊ
 वा ऊ रुवामह । सखाय ॐ न्य

मूर्त्युं ॥ ॐ शुभं सुयना ॥ गम
 नगसुखा जायया ॥ कृष्णपीवा
 आयेयाननासुयूनसात्सान
 स्वामीमधसुगन्धशोनागिना
 वक्षनामावाक्षासोमाथोषू॥
 स्यामानाया ॥ सोय्याथोमोः
 ध्वगधकृष्णधयार्थयात्वाष्टी
 लामसगक्षीगक्षीर्वायवा ॥
 स्वगयूक्तं न्यायस्वयस्याय
 वरुदेष्टुवावामन ॥ ॐ सम
 कृनासिपत्रिवकृनासिधव
 कृनासिवत्सनासि ॥ उखस
 कंकल्यनामदानागकंकल्य
 कंकल्यनामसाकंकल्यनाम
 नवकंकल्यना ॥ समस्तन
 कंकल्यना ॥ यथायथेसा
 चपजसानयसुपर्णसिचसि
 नयादवगयागिनिस्वधवा

वासीद ॥ ॐ शुभं नाजायक
 नर्वकतायादिनवदर्शना
 येकल्यिर्गदापनायाधिकल्यि
 तमास्वन्दायसरास्वार्नमृग
 व ॥ गमयूक्तमनकाय ॥ गधा
 गंक्ष ॥ धागमविद्वगनरिद्व
 मानउपनिष्टनिद्व ॥ कताय
 चलकार्यपाप्मन ॥ लीलगा ॥
 ॐ गन्धदानी ॥ ॐ ॐ मानूपा
 यनयसंकपदिनकदीनाय
 पवनामरुमनि ॥ यथासमस
 द्विपदचतुष्टयपदविष्टयूष्टि
 ग्राम ॥ अस्मिन्ननागुन ॥ ॐ
 यदद्यक ॥ य ॥ ॐ काष्ठाका
 धुग ॥ ॐ ल्वजविष्टया ॥
 ॐ दधिकाप्रा ॥ ॐ दीर्घायुस्त्वा ॥
 ॐ या ॥ रुलिनी ॥ कृष्णनया ॥

ॐ समिग ० संकल्ययथ ० सं
 प्रिया ॥ विष्णु समनस्य मानो
 ॥ ॐ वसू मरु संवसानो सं
 पाप्माना ० सि संवगा समुचि
 न्याकर्त अग्रपूनीष्याधियार
 वत्न ॐ वसू मरु मानाय ॥ ६६
 हि ॥ ॥ सिन्दूर मरुया ॥ ॐ
 श्रीधनलक्ष्मी ॥ ॐ स्वस्ति नमो
 ॥ ॐ पयः पृथिव्या ॥ ॐ
 विष्णु नमो मसि ॥ ॐ अग्नि
 र्दवगा ॥ ॐ श्री ० गान्धिन ॥
 ॐ धूम्रसि ॥ ॐ गङ्गासि ॥ ॐ
 या ० रुलिनी ॥ ॐ अन्नपत ॥
 ॐ नमः पञ्चयत्र ॥ पतिष्य ॥
 ॐ मन्त्राङ्गि ॥ ॥ जाय ॥
 मा ० ॐ उमा लरु कृष्णविका
 र्गवर्षु दवाधिनार्थवृषराः
 समस्त ॥ विष्णु लरु अरुया

लो य

कमा ॥ नृत्त ० त्वं पलमाः
 मिनिर्ण ॥ अस्म क्वावली कर्म
 सफर्षि साहित्य कलगाञ्चन
 विष्णो गत्सर्वमिधिपनिपुत्रु
 मस्तु ॥ ॐ तिकलगाञ्चन ॥



अथ मृषिपूजनं ॥ ॥

ॐ वक्रा (नमः) ॥ ॐ विष्णु ॥
 ॐ नृदायनमः ॥ ॐ यज्ञायनमः ॥
 ॐ दवस्थानमः ॥ ॐ रुद्रस्थान ॥
 ॐ दवस्थानमः ॥ ॐ मृषिस्थान ॥
 ॐ समानयनमः ॥ ॥
 ॐ आचार्यायनमः ॥ ॥
 ॐ गन्धर्वायनमः ॥ ॥
 ॐ गन्नाचार्यायनमः ॥ ॥
 ॐ पुननाचार्यायनमः ॥ ॥
 ॐ ॐ गन्नाचार्यायनमः ॥ ॥
 ॐ सावयवायनमः ॥ ॥

ॐ दशै नमः॥ ॐ अश्वत्थ नमः॥
 ॐ सागनाय नमः॥ ॐ पर्वगायः॥
 ॐ सत्रिग नमः॥ ॐ मनुष्यायः॥
 ॐ यक्षाय नमः॥ ॐ नादसंस्थाः॥
 ॐ पिशाचस्थान नमः॥ ॥
 ॐ सुयष्टुय नमः॥ ॥
 ॐ हनस्थान नमः॥ ॐ वसनायः॥
 ॐ वनस्थाय नमः॥ ॥
 ॐ दोषधिय नमः॥ ॥
 ॐ जनायूजाय नमः॥ ॥
 ॐ अशुजाय नमः॥ ॥
 ॐ उद्विजाय नमः॥ ॥
 ॐ स्वदजाय नमः॥ ॥
 चतुर्वर्गः॥ ॥ ॥

ॐ तलाय नमः॥ ॐ विगलायः॥
 ॐ सुतलाय नमः॥ ॥

ॐ निगनाय नमः॥ ॥
 ॐ गला तलाय नमः॥ ॥
 ॐ तला तलाय नमः॥ ॥
 ॐ पातालाय नमः॥ ॥
 ॐ निपातालः॥ ॥

ॐ हलाकाय नमः॥ ॥
 ॐ उवलाकाय नमः॥
 ॐ स्वलाकाय नमः॥
 ॐ मरुलाकाय नमः॥
 ॐ जनलाकाय नमः॥
 ॐ तपलाकाय नमः॥
 ॐ सत्यलाकाय नमः॥
 ॐ निच उद्विगुवनानिः॥

ॐ गायत्री नमः॥ ॥
 ॐ सावित्री नमः॥ ॥

ॐ सत्रस्येनमः॥ ॥

ॐ मृगयुज्येनमः॥

ॐ अमृगयुज्येनमः॥

ॐ वीर्यनायनमः॥ ॥

ॐ गन्धर्वनायनमः॥ ॥

ॐ अघातनायनमः॥ ॥

ॐ वामदवायनमः॥ ॥

ॐ मध्याकाशनायनमः॥ ॥

ॐ (गो)थेनमः॥ ~ ॥

ॐ सर्वमंगलायेनमः॥

ॐ स्कन्दायनमः॥ ॥

ॐ नन्दिननमः॥ ॥

ॐ विनायकायनमः॥ ॥

ॐ महाकायनमः॥ ॥

ॐ हृदिननमः॥ ~ ॥

ॐ चण्डिकायनमः॥

ॐ वक्रायेनमः॥ ॥

ॐ माहयुज्येनमः॥ ॥

ॐ कोमायुज्येनमः॥ ॥

ॐ वेष्टुयेनमः॥ ॥

ॐ वात्रायेनमः॥ ॥

ॐ वृद्धायेनमः॥ ॥

ॐ वामपुत्रायनमः॥ ॥

ॐ महालक्ष्मणेनमः॥ ॥

ॐ नन्दादिपञ्च (ग)मायुज्येनमः॥

ॐ धर्मदायनमः॥

ॐ कर्णवादिदादगमूर्ति

स्थानमः॥ ॐ ध्यादिदाद

नदवीस्थानमः॥ ॥

ॐ गन्धर्वनायनमः॥ ॥

ॐ वक्रायेनमः॥ ॥

ॐ (ग)गमायनमः॥ ॥

ॐ हनदायनमः॥ ॥

ॐ विश्वामित्रायनमः॥

ॐ यमदण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ वनिष्टाय नमः ॥ ॥

ॐ कण्ठपाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ एकस्यै नमः ॥

ॐ मन्त्रीयय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ मानवाय नमः ॥ ॥

ॐ विष्णुमित्राय नमः ॥ ॥

ॐ यारूवल्काय नमः ॥ ॥

ॐ यत्रागत्राय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ अण्डाय नमः ॥ ॥

ॐ सनातनाय नमः ॥

ॐ सनत्कुमात्राय नमः ॥

ॐ कपिलाय नमः ॥

ॐ आसन्नय नमः ॥

ॐ वाटवन नमः ॥

ॐ पञ्चनिखाय नमः ॥

ॐ सर्वदेवाय नमः ॥

ॐ सर्वव्यथ नमः ॥

ॐ सर्वविदनाय नमः ॥

ॐ नमः सर्वदेवता ॥



नमः पञ्चकला ॥

ॐ यमाय नमः ॥

ॐ धर्मनाजाय नमः ॥

ॐ मृगवन नमः ॐ अरुकाय ॥

ॐ वैवस्वताय नमः ॥ ॐ

कालानमः ॐ सर्वलोक

कथाय नमः ॐ उद्भवना

यनमः ॐ नीलाय नमः ॥

ॐ दध्राय नमः ॥

ॐ पत्रमष्टिन नमः ॥

ॐ वृकादनाय नमः ॥

ॐ सीमाय नमः ॥

ॐ त्रिगाय नमः ॥

ॐ त्रिगुकाय नमः ॥

ॐ धर्मगुकाय नमः ॥

ॐ विद्वत्तानमः ॥

ॐ पिताहृतानमः ॥

ॐ पितृमहानमः ॥

ॐ यमयन्त्रानमः ॥



पूनासवानपूजनी ॥

ॐ आदिष्टादिष्टानमः ॥

ॐ ॐ दायनमः ॥

ॐ अग्रयनमः ॥

ॐ यमाय नमः ॥

ॐ नैर्जुतयनमः॥ ॥
 ॐ वनूयनमः॥ ॥
 ॐ वायवनमः॥ ॥
 ॐ कवनयनमः॥ ॥
 ॐ वीनयनमः॥ ॥
 ॐ विष्णुवनमः॥ ॥
 ॐ वक्रानमः॥ ॥
 ॐ निलोकपालः॥ ॥
 ॐ गलयनमः॥ ॥
 ॐ एतवनमः॥ ॐ काययनमः॥
 ॐ आगिन्येनमः॥ ॐ दूतयनमः॥
 ॐ निलयः॥ ॐ निलयः॥
 ॐ जूधकामनमः॥ ॥
 ॐ वलयनमः॥ ॐ वासायनमः॥
 ॐ हनूमननमः॥ ॥
 ॐ विशीषयनमः॥ ॥
 ॐ कयायनमः॥ ॐ पर्युता
 मनमः॥ ॐ मार्कण्डेययनमः॥

ग१२

ॐ गृह्यविनजीविनः॥ ॥
 ॐ कृतयूयनमः॥ ॥
 ॐ शतायूयनमः॥ ॥
 ॐ दायनयूयनमः॥ ॥
 ॐ कलियूयनमः॥ ॥
 ॐ निवृत्त्युगः॥ ॥
 ॐ पृथिवीनमः॥ ॐ अदत्ताः॥
 ॐ नकुसुमनमः॥ ॐ वायवनमः॥
 ॐ आकाशयनमः॥ ॥
 ॐ तिपक्षरुताः॥ ॥
 ॐ अज्ञानमः॥ ॐ कवायः॥
 ॐ सामायनमः॥ ॐ विष्णुवः॥
 ॐ नीलायनमः॥ ॐ अनलायः॥
 ॐ पृथुवायनमः॥ ॐ पराकायः॥
 ॐ निवृत्त्यवसवः॥ ॥
 ॐ अरुक्कयादायनमः॥ ॥
 ॐ अरुक्कयायनमः॥ ॥

ॐ विष्णुपादाय नमः ॥ ॥
 ॐ रुद्राय ॥ ॐ वक्रतूपाय ॥
 ॐ शुभकाय नमः ॥ ॥
 ॐ सूर्यनाय नमः ॥ ॥
 ॐ सावित्रि नमः ॥ ॥
 ॐ पिनाकि नमः ॥ ॥
 ॐ जयकि नमः ॥ ॥
 ॐ अयनाकि नमः ॥ ॥
 ॐ शकटादय नमः ॥ ॥
 ॐ नन्दाय नमः ॥ ॐ धर्मे ॥
 ॐ रुद्राय नमः ॥ ॐ पूष ॥
 ॐ मित्राय नमः ॥ ॐ वक्रतूपाय ॥
 ॐ सूर्याय नमः ॥ ॐ अर्धव ॥
 ॐ विवस्वत नमः ॥ ॐ सवित्र ॥
 ॐ त्वष्ट्र नमः ॥ ॐ विष्णवे ॥
 ॐ निदादय नमः ॥ ॥
 ॐ धातय नमः ॥

ॐ वरुणाय नमः ॥
 ॐ वरुणाय नमः ॥
 ॐ मार्गशीर्षादिमासं ॥



ॐ प्रतियदाये नमः ॥ ॥
 ॐ द्वितीयाये नमः ॥ ॥
 ॐ तृतीयाये नमः ॥ ॥
 ॐ चतुर्थे नमः ॥ ॐ पंचमे ॥
 ॐ षष्ठे नमः ॥ ॐ सप्तमे ॥
 ॐ अष्टमे नमः ॥ ॐ नवमे ॥
 ॐ दशमे ॥ ॐ अकादशे ॥
 ॐ द्वादशे ॥ ॐ त्रयोदशे ॥
 ॐ चतुर्दशे नमः ॥ ॥
 ॐ पूर्णमासे नमः ॥ ॥
 ॐ अमावासे नमः ॥ ॐ
 तिथि य ॥ ॥
 ॐ अश्विने नमः ॥ ॥
 ॐ रुद्राय नमः ॥ ॥

ॐ कलिकायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ मादिल्लेन मः ॥ ५ ॥
 ॐ मृगनिनायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ आदायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ पूनवस्त्रे नमः ॥ ५ ॥
 ॐ पूषायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ अष्टायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ मघायै नमः ॥ ५ ॥
 ॐ पूर्वरात्रायै नमः ॥ ॥
 ॐ उरुरात्रायै नमः ॥ ॥
 ॐ रुक्मायै नमः ॥ ॐ विश्वायै ॥
 ॐ स्वायै ॥ ॐ विश्वस्वायै ॥
 ॐ अनूनायै नमः ॥ ॥
 ॐ अष्टायै ॥ ॐ मूलायै ॥
 ॐ पूर्वोषायायै नमः ॥ ॥
 ॐ उषायायै नमः ॥ ॥
 ॐ अरिष्टायै ॥ ॐ धवलायै ॥

ॐ धनिष्ठायै नमः ॥ ॥
 ॐ शतशायै नमः ॥ ॥
 ॐ पूर्वरुद्रायै नमः ॥ ॥
 ॐ उषरुद्रायै नमः ॥ ॥
 ॐ नवत्यै नमः ॥ ॥
 ॐ रात्रिर्विगतिकनकानि ॥
 ॐ विष्णुमाय नमः ॥ ॥
 ॐ पीतयशः ॥ ॐ आयुष्मन् ॥
 ॐ लोकायै नमः ॥ ॥
 ॐ भस्मनाय नमः ॥ ॥
 ॐ अग्निगुणाय नमः ॥ ॥
 ॐ शुक्रमाय नमः ॥ ॥
 ॐ धर्म ॥ ॐ मूलाय नमः ॥
 ॐ गणाय ॥ ॐ वृद्धाय नमः ॥
 ॐ कुवाय ॥ ॐ वाद्याय ॥
 ॐ हव्येय ॥ ॐ वजाय ॥

ॐ सुदय २॥ ॐ यमीपाताय २॥

ॐ वलिनाय नमः ॥

ॐ वनिद्याय २॥ ॐ मिवाय २॥

ॐ सिद्धय २॥ ॐ साध्याय २॥

ॐ गुहाय २॥ ॐ गुक्राय २॥

ॐ वक्राय २॥ ॐ ॐन्द्राय २॥

ॐ वैधुनय नमः ॥ ॥

ॐ सकाचिनिधाय ॥



ॐ मयाय २॥ ॐ वृषाय २॥

ॐ मिथुनाय २॥ ॐ कर्कटाय २॥

ॐ सिंहाय २॥ ॐ कन्याय २॥

ॐ तुलाय २॥ ॐ विष्टिकाय २॥

ॐ धनूष २॥ ॐ मकराय २॥

ॐ कुर्याय २॥ ॐ मीनाय २॥

ॐ द्वादशनामय ॥ ॥

ॐ अष्टकस्थानमः ॥ ॥

ॐ सकपजायतिस्थानमः ॥

ॐ सिद्धादिगणस्थानमः ॥

ॐ ज्यादिदशैव नमः ॥ ॥

ॐ ऊनादिनामस्थानमः ॥

ॐ अनिमादि सिद्धास्थानमः ॥

ॐ कनादिकनस्थानमः ॥

ॐ मृदाय २॥ ॐ नयसनमः ॥

ॐ गन्धर्वाय नमः ॥ ॥

ॐ अयनास्थानमः ॥ ॥

ॐ विद्याधनस्थानमः ॥ ॥

ॐ मूर्ध्नास्थानमः ॥ ॥

ॐ वार्या २॥ ॐ लयस्थाय २॥

ॐ रुमकादिषष्टयस्थानमः ॥

ॐ पर्जन्याय २॥ ॐ मघाय २॥

ॐ समस्तनाय नमः ॥ ॥

ॐ कल्याय २॥ ॐ सफनथय २॥

ॐ अन्नय २॥ ॐ क्रमानाय २॥

ॐ सर्वदवायनमः॥ ॥

ॐ जम्बूदीपायनमः॥ ॥

ॐ कृगदीपायनमः॥ ॥

ॐ गङ्गादीपायनमः॥ ॥

ॐ कोशदीपायनमः॥ ॥

ॐ गङ्गादीपायनमः॥ ॥

ॐ गङ्गादीपायनमः॥ ॥

ॐ पुष्करदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ निरुद्धदीपायनमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ नमः॥ ॥

ॐ सर्वनाथानाम॥ ॥

ॐ स्वर्णनाथ॥ ॥ ॥



ॐ गिरिनाथानाम॥ ॥

ॐ कलुषनाथानाम॥ ॥

ॐ दुर्जननाथानाम॥ ॥

ॐ वनवृक्षनाथानाम॥ ॥

ॐ नमूचादिदेवनाथानाम॥ ॥

ॐ वैद्यवर्मादियक्ष्ण॥ ॥

ॐ नाकसेनाथानाम॥ ॥

ॐ जाकिनिनाथानाम॥ ॥

ॐ हननाथानाम॥ ॥

ॐ धननाथानाम॥ ॥

ॐ पिशाचनाथानाम॥ ॥

ॐ श्रीनवाग्रवीरकनकः

थानाम॥ ॐ वदिथानाम॥

ॐ भ्रमनाथानाम॥ ॥

ॐ आब्रकादिनिवाकथान

म॥ ॐ भक्तिकायनम॥

ॐ पूष्टिकयनम॥ ॥

ॐ दुर्धयकमायनम॥ ॥

मयजीमकुलजाय॥ ॥



अथ यवाकनमिधयित्वाः

जलननर्पणीकुर्यात् ॥

ॐ सर्वषयसुपयनी॥ ॥

ॐ वक्रागुपयनी॥ ॥

ॐ विष्णुसुपयनी॥ ॥

ॐ नृदसुपयनी॥ ॥

ॐ पञ्चापनिसुपयनी॥ ॥

ॐ दवासुपयनी॥ ॥

ॐ कथासिगुपयनी॥ ॥

ॐ वदासुपयनी॥ ॥

ॐ मृषयसुपयनाम् ॥ ॥

ॐ सनातनसुपयनाम् ॥ ॥

ॐ आचार्यसुपयनी॥ ॥

ॐ गन्धर्वसुपयनी॥ ॥

ॐ गन्नाचार्यसुपयनी॥ ॥

ॐ पूमाणाचार्यसुपयनी॥ ॥

ॐ नानावायुसुप्रभाता ॥
 ॐ सावयवसुप्रभाता ॥
 ॐ दवीनसुप्रभाता ॥
 ॐ मृगयनसुप्रभाता ॥
 ॐ सागनसुप्रभाता ॥
 ॐ पर्वनसुप्रभाता ॥
 ॐ सनिरुप्रभाता ॥
 ॐ मनूष्यसुप्रभाता ॥
 ॐ यक्षसुप्रभाता ॥
 ॐ नाकसुप्रभाता ॥
 ॐ पिम्वसुप्रभाता ॥
 ॐ सपथुसुप्रभाता ॥
 ॐ हगसुप्रभाता ॥
 ॐ वत्सनसुप्रभाता ॥
 ॐ वनस्यनिरुप्रभाता ॥
 ॐ डोषधिसुप्रभाता ॥
 ॐ जनायुजसुप्रभाता ॥
 ॐ मृगुजसुप्रभाता ॥

ॐ उहिसुप्रभाता ॥
 ॐ स्रदजसुप्रभाता ॥
 ॐ नलसुप्रभाता ॥
 ॐ विनलसुप्रभाता ॥
 ॐ सनलसुप्रभाता ॥
 ॐ निनलसुप्रभाता ॥
 ॐ नलानलसुप्रभाता ॥
 ॐ नसानलसुप्रभाता ॥
 ॐ यातालसुप्रभाता ॥
 ॐ हलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ उवलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ सलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ मरलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ जनलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ नयालीकसुप्रभाता ॥
 ॐ मरलीकसुप्रभाता ॥
 ॐ मित्रवदुदभुवन ॥

[illegible]

ॐ व (सुधनसुधानी ॥
 ॐ वक्राक्षसुधानी ॥
 सुधानी ॥ ॐ नन्दादिपञ्च
 (गमाष्टकासुधानी ॥
 ॐ धर्मवृषयसुधानी ॥
 ॐ कनवादिद्वादशमूर्त
 यसुधानी ॥ ॐ अदिद्वा
 दशदशसुधानी ॥
 ॐ गनूडसुधानी ॥
 ॐ (गनमसुधानी ॥
 ॐ रानद्वाजसुधानी ॥
 ॐ विष्णुमिश्रसुधानी ॥
 ॐ जमदग्निसुधानी ॥
 ॐ वनिष्ठसुधानी ॥
 ॐ काव्यपसुधानी ॥
 ॐ अश्विनसुधानी ॥
 ॐ नमोऽर्चय ॥

ॐ मनीषसुयगां ॥ ॥
 ॐ मृत्तिसुयगां ॥ ॥
 ॐ मृगिनीसुयगां ॥ ॥
 ॐ यलसुयगां ॥ ॥
 ॐ यलरुसुयगां ॥ ॥
 ॐ कुरुसुयगां ॥ ॥
 ॐ वगिषसुयगां ॥ ॥
 ॐ हउसुयगां ॥ ॥
 ॐ नायदसुयगां ॥ ॥
 ॐ लपदाउसुयगां ॥ ॥
 ॐ कथयसुयगां ॥ ॥
 ॐ गतमसुयगां ॥ ॥
 ॐ मानवसुयगां ॥ ॥
 ॐ विश्वामिसुयगां ॥ ॥
 ॐ याकवसुयगां ॥ ॥
 ॐ यवागवसुयगां ॥ ॥
 ॐ मृन्मीरुयगां ॥ ॥

ॐ ध्रुवसुयगां ॥ ॥
 ॐ गङ्गादामनयः ॥ ॥
 ॐ मृगदसुयगां ॥ ॥
 ॐ यशर्वदसुयगां ॥ ॥
 ॐ सामवदसुयगां ॥ ॥
 ॐ मृधर्वदसुयगां ॥ ॥
 ॐ निवदाः ॥ ॥
 ॐ मूर्दकसुयगां ॥ ॥
 ॐ वृद्धसुयगां ॥ ॥
 ॐ मनकसुयगां ॥ ॥
 ॐ मनन्दसुयगां ॥ ॥
 ॐ सनागनसुयगां ॥ ॥
 ॐ सनत्कमात्रसुयगां ॥ ॥
 ॐ कपिलसुयगां ॥ ॥
 ॐ आसुनिसुयगां ॥ ॥
 ॐ वाइसुयगां ॥ ॥



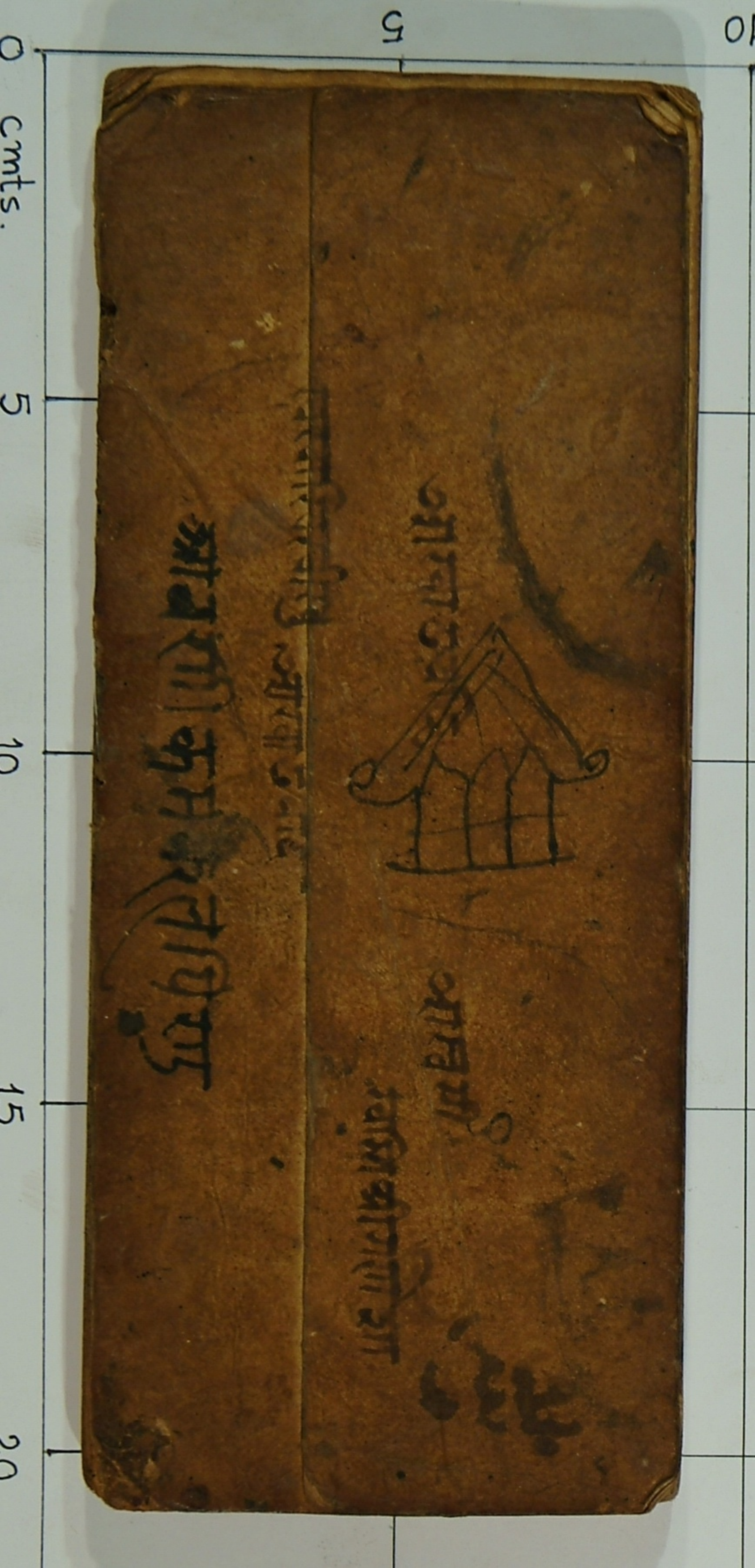
आत्मा उग्र

आत्मा

वसिष्ठाजी शा

वसिष्ठाजी शा

आदराणि कर्मकराणि



ॐ पञ्चनिखलसुप्यर्गा ॥

ॐ सर्वदेवसुप्यर्गा ॥

ॐ सर्वविषसुप्यर्गा ॥

ॐ सर्वविरुक्तसुप्यर्गा ॥

ॐ १॥४ सर्वदेवगा ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

गताः यस्यां कृत्वा जलनि
लयाः यमनर्थाः कुर्यात् ॥

ॐ यमसुप्यर्गा ॥

ॐ मृत्युसुप्यर्गा ॥

ॐ अरुणसुप्यर्गा ॥

ॐ वैवस्वतसुप्यर्गा ॥

ॐ कालसुप्यर्गा ॥

ॐ सर्वरुक्तसुप्यर्गा ॥

ॐ उदयनसुप्यर्गा ॥

ॐ दध्नसुप्यर्गा ॥

ॐ नीलसुप्यर्गा ॥

ॐ यममहीरुप्यर्गा ॥

ॐ वृकोदनसुप्यर्गा ॥

ॐ सीमसुप्यर्गा ॥

ॐ विष्णुसुप्यर्गा ॥

ॐ विष्णुपुत्रसुप्यर्गा ॥

ॐ धर्मपुत्रसुप्यर्गा ॥

ॐ यितारुप्यर्गा ॥

ॐ यितामहसुप्यर्गा ॥

ॐ यमपथान ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ आदित्यसुप्यर्गा ॥

ॐ सामसुप्यर्गा ॥

ॐ ममालसुप्यर्गा ॥

ॐ वृधसुप्यर्गा ॥

ॐ वृहस्पतिसुप्यर्गा ॥

ॐ शुक्रसुप्यर्गा ॥

ॐ शनिपुत्रसुप्यर्गा ॥

ॐ शङ्करसुप्यर्गा ॥

ॐ कुरुसुप्यर्गा ॥

ॐ ऊर्मसुप्यर्गा ॥

ॐ निशादिद्यावन्ति ॥

ॐ विष्णुमहसुप्यर्गा ॥

ॐ न्यायसुधाता ॥
ॐ अन्नयसुधाता ॥
ॐ यमासुधाता ॥
ॐ नैमनयसुधाता ॥
ॐ वनूधयसुधाता ॥
ॐ वायवसुधाता ॥
ॐ कवेनसुधाता ॥
ॐ ॐ न्यायसुधाता ॥
ॐ विष्णुवसुधाता ॥
ॐ वसुधाता ॥
ॐ तिलाकपालः ॥

ॐ गलसुधाता ॥
ॐ पुत्रसुधाता ॥
ॐ कुरुसुधाता ॥
ॐ थागिनीसुधाता ॥
ॐ उग्रसुधाता ॥
ॐ नयवलीकयासा ॥

ॐ अश्वत्थमासुधाता ॥

ॐ वलिसुधाता ॥
ॐ वाससुधाता ॥
ॐ हनुमासुधाता ॥
ॐ विरीषलसुधाता ॥
ॐ कृपसुधाता ॥
ॐ यत्रगुनामसुधाता ॥
ॐ मार्कण्डेयसुधाता ॥
ॐ यष्टिचित्रजीविनः ॥

ॐ कृगयुगसुधाता ॥
ॐ गुणायुगसुधाता ॥
ॐ द्वायत्रयुगसुधाता ॥
ॐ कलियुगसुधाता ॥
ॐ त्रिचतुर्गुणः ॥

ॐ पृथिवीसुधाता ॥
ॐ आपसुधाता ॥
ॐ तंजासुधाता ॥
ॐ वायवसुधाता ॥
ॐ आकाशसुधाता ॥

ॐ वाडनचद्रासुयर्गा ॥

ॐ वरुषष्टिथागसुयर्गा ॥

ॐ माननित्रसुयर्गा ॥

ॐ धोषसुयर्गा ॥

ॐ माघसुयर्गा ॥

ॐ ह्यलुपसुयर्गा ॥

ॐ वेणुसुयर्गा ॥

ॐ वेणुषसुयर्गा ॥

ॐ श्रुषसुयर्गा ॥

ॐ आखाटसुयर्गा ॥

ॐ धावपसुयर्गा ॥

ॐ हादवसुयर्गा ॥

ॐ आश्विनसुयर्गा ॥

ॐ कार्तिकसुयर्गा ॥

ॐ निदादगमासा ॥

ॐ निदादगमासा ॥

ॐ पविषदासुयर्गा ॥

ॐ द्वितीयासुयर्गा ॥

ॐ तृतीयासुयर्गा ॥

ॐ चतुर्थीसुयर्गा ॥

ॐ पञ्चमीसुयर्गा ॥

ॐ षष्ठीसुयर्गा ॥

ॐ सप्तमीसुयर्गा ॥

ॐ अष्टमीसुयर्गा ॥

ॐ नवमीसुयर्गा ॥

ॐ दशमीसुयर्गा ॥

ॐ एकादशीसुयर्गा ॥

ॐ द्वादशीसुयर्गा ॥

ॐ त्रयोदशीसुयर्गा ॥

ॐ चतुर्दशीसुयर्गा ॥

ॐ अमावासीसुयर्गा ॥

ॐ पूर्णमासीसुयर्गा ॥

ॐ निमिथय ॥

ॐ निमिथय ॥

ॐ अश्विनीसुयर्गा ॥

ॐ भरणीसुयर्गा ॥

ॐ कृत्तिकासुयर्गा ॥

ॐ शोहिनी नृपयतां ॥

ॐ मृगमिना नृपयतां ॥

ॐ आदा नृपयतां ॥

ॐ पुनर्वसु नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ ज्येष्ठा नृपयतां ॥

ॐ मघा नृपयतां ॥

ॐ पूर्वश्रवणी नृपयतां ॥

ॐ उत्तराश्रवणी नृपयतां ॥

ॐ कर्कश नृपयतां ॥

ॐ विशाख नृपयतां ॥

ॐ स्वाती नृपयतां ॥

ॐ विभाखा नृपयतां ॥

ॐ ज्येष्ठा नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ ज्येष्ठा नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ मृगशिरा नृपयतां ॥

ॐ पुष्या नृपयतां ॥

ॐ गुरुयुगायना ॥ ॥
 ॐ वृद्धिस्तुयना ॥ ॥
 ॐ कुवस्तुयना ॥ ॥
 ॐ व्याघातस्तुयना ॥ ॥
 ॐ हर्षस्तुयना ॥ ॥
 ॐ वक्रस्तुयना ॥ ॥
 ॐ शुद्धिस्तुयना ॥ ॥
 ॐ वानियास्तुयना ॥ ॥
 ॐ वप्रियास्तुयना ॥ ॥
 ॐ यप्रियास्तुयना ॥ ॥
 ॐ शिवस्तुयना ॥ ॐ सिद्धि
 ॐ साक्षास्तुयना ॥ ॥
 ॐ गुरुस्तुयना ॥ ॥
 ॐ शुक्रस्तुयना ॥ ॥
 ॐ वक्रास्तुयना ॥ ॥
 ॐ सुन्दरस्तुयना ॥ ॥
 ॐ वैदिकिस्तुयना ॥ ॥
 ॐ निसकविनामियाग ॥ ॥

ॐ भवस्तुयना ॥ ॥
 ॐ वृषस्तुयना ॥ ॥
 ॐ मिथुनस्तुयना ॥ ॥
 ॐ कर्कटस्तुयना ॥ ॥
 ॐ सिंहस्तुयना ॥ ॥
 ॐ कन्यस्तुयना ॥ ॥
 ॐ तुलस्तुयना ॥ ॥
 ॐ विद्वस्तुयना ॥ ॥
 ॐ धनस्तुयना ॥ ॥
 ॐ सकवस्तुयना ॥ ॥
 ॐ कस्तुयना ॥ ॥
 ॐ मीनस्तुयना ॥ ॥
 ॐ निदादनाय ॥ ॥
 ॐ सुदक्षस्तुयना ॥ ॥
 ॐ सकपजापतयस्तुयना ॥ ॥
 ॐ सिद्धिगमस्तुयना ॥ ॥
 ॐ जयादिदवास्तुयना ॥ ॥

ॐ उमादिगानकासुप्यर्गा ॥
 ॐ अग्निमादिसिद्धासुप्यर्गा ॥
 ॐ बालादिकनकासुप्यर्गा ॥
 ॐ मृदाद्युप्यर्गा ॥
 ॐ नयसुप्यर्गा ॥
 ॐ गन्धर्वसुप्यर्गा ॥
 ॐ अप्सरससुप्यर्गा ॥
 ॐ विद्याधमासुप्यर्गा ॥
 ॐ मूर्त्तसुप्यर्गा ॥
 ॐ वातसुप्यर्गा ॥
 ॐ लग्नसुप्यर्गा ॥
 ॐ रुमादिवद्वनवसुप्यर्गा ॥
 ॐ पर्यन्तसुप्यर्गा ॥
 ॐ मधसुप्यर्गा ॥
 ॐ समस्तसुप्यर्गा ॥
 ॐ कल्यासुप्यर्गा ॥
 ॐ सफनथासुप्यर्गा ॥
 ॐ अनूपासुप्यर्गा ॥

ॐ कुमानसुप्यर्गा ॥
 ॐ सर्वदेवासुप्यर्गा ॥
 ॐ उन्मदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ कृगदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ ग्गदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ कादीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ र्गदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ गमधदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ पुष्करदीयसुप्यर्गा ॥
 ॐ निसफदीया ॥
 ॐ कात्रपुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ कीनादापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ दधुदापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ घमादापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ मनादापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ दर्शदापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ ॐ इदापुवसुप्यर्गा ॥
 ॐ निसफसमदा ॥

ॐ मन्त्ररूप्यार्ता ॥
 ॐ मन्त्ररूप्यार्ता ॥
 ॐ केलारूप्यार्ता ॥
 ॐ मलयरूप्यार्ता ॥
 ॐ गन्धमादनरूप्यार्ता ॥
 ॐ मरुद्वरूप्यार्ता ॥
 ॐ धीपवनरूप्यार्ता ॥
 ॐ हंसकटरूप्यार्ता ॥
 ॐ सिमवारूप्यार्ता ॥
 ॐ सर्वपवनरूप्यार्ता ॥
 ॐ निपवनार ॥

ॐ गन्धमादनरूप्यार्ता ॥
 ॐ मन्त्ररूप्यार्ता ॥
 ॐ वासुकीरूप्यार्ता ॥
 ॐ गङ्गारूप्यार्ता ॥
 ॐ कर्कटरूप्यार्ता ॥
 ॐ यद्रूप्यार्ता ॥
 ॐ मलयद्रूप्यार्ता ॥

ॐ मन्त्ररूप्यार्ता ॥
 ॐ कलिकरूप्यार्ता ॥
 ॐ सर्वनागरूप्यार्ता ॥
 ॐ निनागर ॥

ॐ गिर्यरूप्यार्ता ॥
 ॐ कन्दारूप्यार्ता ॥
 ॐ इन्दारूप्यार्ता ॥
 ॐ वनवृक्षारूप्यार्ता ॥
 ॐ नमूयादिदेव्यारूप्यार्ता ॥
 ॐ वेधवधदियक्षारूप्यार्ता ॥
 ॐ नाक्षारूप्यार्ता ॥
 ॐ शकिनारूप्यार्ता ॥
 ॐ रूतारूप्यार्ता ॥
 ॐ धनारूप्यार्ता ॥
 ॐ पिम्पारूप्यार्ता ॥
 ॐ नीयवाद्यवीजानन
 कारूप्यार्ता ॥ ॐ वयसरूप्यार्ता ॥
 ॐ मन्त्ररूप्यार्ता ॥

यादितीर्थपिबुदानऊन्यस
मरुलयाकिकामनयायरा
वैतीतीप्ररुलपिबुदानमः
हंकविषा ॥ ॥ **ऊलनामि**
ऊन ॥ **ऊं** जयविश्वयविः
शावा ॥ ॥ **नन** **आसन** ॥
गय (ग) गयिबुद्धमध्य
वलीकर्मरुलयाद्वयि
मूकगमनेरुलपिबुनि
लंकगदमासनसुध
॥ **यितामह** ॥ **ययितामह** ॥
माह ॥ **यितामही** ॥ **ययिताम**
हि ॥ **मातामह** ॥ **यमाताम**
ह ॥ **वृद्धयमातामह** ॥ **माः**
गामहि ॥ **यमातामहि** ॥ **वृद्धि**
यमातामहि ॥ **यिगुय** ॥ **श**
ता ॥ **यिगुययली** ॥ **शगुय**
ली ॥ **माहुल** ॥ **माहुलय**

ॐ **आव** **आदि** **मिवा** **ना** ॥
रुप्यना ॥ ॐ **भक्ति** **कल** ॥
प्यना ॥ ॐ **पूष्टि** **कल** **प्यना** ॥
ॐ **उद्धय** **नम** **रुप्यना** ॥
अनन्तवर्कप्यना **कानयन** ॥
ॐ **अथ** **नेव** **य** ॥ ॐ **य** **वा** **ऊ** **वा** ॥
जाय ॥ **रु** ॥ ॥
ॐ **नम** **सफ** **य** ॥ ॥
(ग) **गम** **धरु** **नवा** **आ** **विष्वा**
मिगय **मद** **गि** ॥ **वनिष्ठक**
धपा **गिध** **गसी** **नमा** **सुध**
धर्ग ॥ ॥ **अन** **गन्ध** **दि** ॥
ॐ **अथ** **रुल** **पिबु** **मान** **रु** ॥
पथ **म** **ग** **आव** **मार्क** **ल्य** **क**
याना ॥ ॐ **अथ** **ध** **व**
नमो **गु** **क** **पू** **पु** **मानि** **(थे)** **ग**

नमः ॥ आचार्य ॥ श्वशुर ॥ ॥
 श्वशुर ॥ उपाध्याय ॥ उपाध्याय ॥
 मिश्रा ॥ मिश्रा ॥ मिश्रा ॥
 वाचस्पति ॥ श्लाघित ॥ उपाध्याय ॥
 ॥ ॐ नमः ॥ ॥ यथा दानं
 ॥ रुतनमस्तु ॥ नमः ॥
 यिषुदा नमः ॥

एव वाचस्पति च नमः सिद्ध
 नमः तिलादक यथा वा
 नमः धूपदीपकाम्बुलादि
 त्वंददन् ॥ ॥ नमः
 कर्मगृहीता यथा जलददन् ॥

नमः ॥ उदीयताय ॥ ॥

ॐ उदीयतामवतु उत्पन्ना
 सः उन्मध्यमाः पितृनाः साम्या
 सः ॥ अर्जुनः ॥ यूनवृकादि
 गच्छाकनावनु पितृनाः हव

दुल्लि ॥ दुल्लि ॥ नमः ॥ नमः ॥
 यका नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥

यः ॥ ॥ ॐ अग्निनामानः पितृ
 नानावर्गः अथवा ॥ ॥
 गवः ॥ साम्यासः ॥ नमः ॥
 रुतनीयः ॥ रुतनीयः ॥
 ॐ सोमनसः साम्या ॥ २ ॥
 ॐ यनपूर्वः पितृनाः साम्या
 सा नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 सा ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 ॥ ॐ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 काममनु ॥ ॥ ॐ नमः ॥
 मयः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 वयः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥

वीनरिन्नेर्मघवारुवा
 न॥ ७॥ ॐ त्वं १ सामयि
 हरिः सन्निधानानूया वा
 पृथिवी आगतं थगमेन
 ॐ ह्रीं हविषा विधमवेय
 १ सामयत आनयी ॥ ८ ॥
 ॥ ३ ॥ ॐ वहिषदः पिता
 इत्यर्वागिमावाद्यात्तक
 माक्षधर्ध १ न आगतावसा
 नकमनाथन १ नयात्रन
 पादधनन ॥ १० ॥ ॐ आ
 हृषिकुं सुविदका १ अवि
 स्मिनः १ पातं च विकमनः १
 विष्णा १ वहिषदाथ स्वध
 यासुगस्य रुजकपित्वक
 ॐ ह्रीं गामिष्ठा ॥ ८ ॥ ॐ
 इयद्गताः पिता १ साम्या
 सावहिषा धूनि धिषूयिष्य
 धू १ न आगमेन १ ॐ ह्रीं

वंत्वधिषूवंतुनवंत्वस्मा
 न॥ १० ॥ ॐ आ यनुनः
 पितरः १ साम्या सायिष्ठा
 कायधिरिदवयाने १
 अस्मिन्ने स्वधयामद
 काधिषूवन्तुनवंत्वस्मा
 न॥ १० ॥ ॐ अग्निष्ठाकाः
 पितरः १ रुगकनसदः स
 दः १ सदा सखलीयनः १
 अकाहविः १ धिषयगानि
 वहिषाथनयिः १ सर्ववी
 नन्दधनन ॥ ११ ॥ ॐ यः
 अग्निष्ठाकाय अन्नयिष्ठा
 कामः १ दिवः १ स्वधयामा
 दयनः १ नयः १ स्वनाउसुः
 नीतिमनीयथावगनकत्व
 कल्ययानि ॥ १२ ॥ ॐ अग्ने
 साकानुमरुमाहवामह
 नानागः १ ससायी १ यआ

॥००॥ दिगुशानमाजस्ययथपृथ्वीमायउचयनामञ्ज्जीयश॥
अपाथिजसमानिषलाथवानूनमम्वजनामवेइ॥२०॥

वपिउत्तुहविषमुरुव ॥
 ॥२२॥ ॐ अमयकेशवा
 रुनायस्वाहा ॥ १ ॥ अमय
 रुमते स्वाहा ॥ १ ॥ अमय
 अमनामका १ निवदिषद
 ॥२३॥ ॐ यन्त्रया निपति
 मूर्च्छमाना अमना १ सक १
 स्वधयाचनक्ति १ यनापूना
 निपुनाय रुनय निष्ठा
 कान्यपूदाय स्वा ॥२४॥
 ॐ अमयपितृनामादयध्वं
 थारुगमावृषायध्वं ॥ अमी
 मदकपितृनाय थारुग
 मावृषायध्वं ॥ २५ ॥
 ॐ नभावपितृनामसाय
 नभावपितृनामसाय
 नभावपितृनाजीवायन
 भावपितृनामसायन

१४ अमयपितृनामसाय

भावपितृनामायनभा
 वपितृनामसायनभाव
 पितृनामसायनभाव
 लान्नपितृनादरुसभाव
 पितृनामसायनभाव
 वास ॥२६॥ ॐ अधरु
 पितृनामसायनभाव
 अमयथरुपुनूषास
 ॥२७॥ ॐ अमय
 मृत्तंघृत्तयय १ कीलालीप
 त्रिभुवन १ स्वधाम्नाय
 मयिष्टुन पितृनामसाय
 पितृनामसाय ॥२८॥
 ॐ निपिष्टुर्कसमाफा
 दक्षिण ॥ १ ॥ अमय
 ॐ नमायिष्टुय ॥
 मातामहृष्टकिमय निगस्य

३ वाक्कलपूजा ॥ अमयकचन्द
 नागीनाद ॥

१५ अमयपितृनामसाय

पितापितामहस्यपितामह
 धनुर्विधेधदवाः॥ यनमाप
 यानु, रुफिंषलम्भनुचजा
 कुंधाना॥ यः कुरुधनादुवा
 मरुकर्त्ता, शाकाद्यात्मा
 रुनिनीध्वनाक॥ गत्सन्नि
 धानादपयानुसर्व, नक्षत्रैः
 स्यलवान्यपयानुसर्व॥
 पितापितामहस्येव गत्थे
 वषपितामहा॥ रुफिंष
 यानुगस्येव, त्वयादहन
 हगलः॥ पितामहावसवाः
 या, कुरुधना॥ पितामहा॥
 पपितामहासुदिन्या, उर्व
 सविन्धुपूजयः॥ मरुही
 नंवि, याहीनं, रुकिहीनं
 गत्थेवच॥ गदमुसर्वसीपू
 र्धु, दम्यगापिठदवगा॥

गान्धर्वाणां पितृर्दग्ध
 वलीकर्म, सफर्विसाहि
 रुरुलधार्ध, पिठुअत्रेन
 विधो, गुरुगन्धदिना ॥ ५॥
 जानीपूष्यादिपिठुआददग्
 सूर्यसादिना, यन्मयाध्व
 याधार्ध, कननिग्नमयाग
 वे, मार्कण्डेयादिदवादि, ॥ ६॥
 साक्षीहगस्त्वभवहिना, पूष
 पदानं॥ पिठया, गमया
 दव, कन॥ सर्वार्थसाधक॥
 अस्ययः कुरुधना, शाका
 त्वंयनमध्वन॥ कनकर्मल
 ॥ साक्षी, एग्रीसूर्याय अर्ध
 नमः॥ ॥ पिठुविसर्जनी॥
 कुंवाजवाजववाजिनाना
 धनं, पूविषा, अमृता, मृगसा॥

॥ ५॥

॥ ६॥

भूख्यमधः॥ पितृवर्गमादयध्वं
 रुफाया नयधिरिदं वया
 ने॥ पितृ पितामहस्य पिता
 मरुत्यादि स्वर्गलोक विष्णु
 लोक निवलोक सम्याका
 रुवरु॥ ॥ पितृमूर्त्तान्
 य॥ ॥ ॥ सफद्याध्व
 दन॥ ॥ ॥ ॥

ॐ कयानधिपमूयवद्
गीतदावृधसखा । कया
सचिपयावृ ॥ ॐ क
स्त्रासखामदानामष्टका
मस्तदन्धसः द्विधाचिदान्
ऊवसू ॥ ॐ अलीषूनस
खीनाममृगजलनाम ।
मृगैरुवायन्धुतिरि ॥ ॥

ॐ स्वस्ति नमः ॥ ॥
उपयः पृथिव्याय ॥

ॐ विष्णुत्रयात्मने ॥
ॐ अग्निदेवतावाचने ॥
ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

हमीनि। लादक-दाययम्॥
असंस्तुतु उवाला नां यत्र
गङ्गविनिस्तुता॥ अत्रवा
फागिसंस्तुता न्दवांस्तु
मीददाम्यं हं॥ ॥

वस्तुदकन्ददन्त ॥ नि
स्वर्गगणाल्लिखितगणेश्वर
यववन्धुविहीनका ॥
नसर्ववृत्तिमायानुवस्तु
निष्पीडनादके ॥ ॥

नद्यां पिबुषवा रुध ७॥
कुं समुद्रं गच्छाह नदि

२०
 १५
 १०
 ५
 ०

दंगकस्वारादवसवि
 नार्गकस्वाराभिगधनू
 लीगकस्वाराहारागं
 कस्वाराकंदासिगक
 स्वाराद्यावायुधिगीगक
 स्वारायङ्गकस्वाराहा
 मंगकस्वारादिग्नरग
 कस्वारागिर्वधननंगक
 स्वाराभामहादियक
 दिवकधूनागकडुखझा
 निःनराकनिःकडुधि
 वीरुमनायुलस्वस्वारा॥
 ॥ ॥ ॐ निधवलीकर्म
 कलमञ्जनरुलपिपुः
 विधिस्समाका ॥ ॥

॥ ॥ ॐ निधवलीकर्म
 कलमञ्जनरुलपिपुः
 विधिस्समाका ॥ ॥

॥ ॥ ॐ निधवलीकर्म
 कलमञ्जनरुलपिपुः
 विधिस्समाका ॥ ॥

अधेतृणां अधीयानां अधे
 धमानां अध्यापितां च स्थानो
 क्षासविदेदकोशयो मरा दुत
 वृमुचारितवर्णानां स दरागम
 लोपविलंबितवृमुचारितवर्णानां
 श्लिष्टवर्णविद्यद्वन्द्वग्रहदुष्ट
 दिभिः प्रमादिकैः ध्रुवीनां यज्जात
 यामत्वं तत्परिहारार्थं सर्वेषां कंद
 सामायायनार्थं सवीर्यत्वात्तार्थं च या
 वदधीतमत्र गणितेन यद्यदेवतो
 पासनतया श्रोत्रस्मार्तकर्मनुष्ठ
 नतया वयथावत्फलप्राप्तार्थं
 नवीपवीतवेदाध्यायनाधिकारार्थं
 इयाकर्मकरिष्ये शतिसंकल्प ॥

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

